A3

A4

A5

ba

Test-1

दृष्टि The Vision

drishti

Drishti Mentorship Program Mains-2023

निबंध (ESSAY)

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: ABHISHEK Meena

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): HINDI

Email:

Center & Date: Delhi/24/06/23

UPSC Roll No.: 0847649

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खण्ड-A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खण्ड-B

जितना अधिक हम अन्वेषण करते हैं, उतना ही अधिक हमें पता चलता है कि कितना अन्वेषण करना बाकी है।

मैं जब भी किसी राहगीर को देखता हूँ तो मुझे श्री अमिताभ बच्चन की प्रसिद्ध फिल्म 'पिंक' की एक कविता याद आती है:-

"तू खुद की खोज में निकल
तू किस लिए हताश है
तू चल।
तेरे वजूद की
समय को भी तलाश है।"

इस कविता को सुनने पर हमें इस बात का अहसास होता है कि हमारे पास खुद को जानने के लिए बहुत कुछ है। और जब हम खुद को ही बहुत कम जान पाये हैं तो इस विश्व में जानने-खोजने के लिए कितना कुछ होगा। इस विचार से किसी भी व्यक्ति का मन एक अन्वेषणकर्ता या खोजी व्यक्ति की भाँति कौंधेगा। तथा यह विचार ही हमें जीवन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

में कुछ करने तथा आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा देता है।

वस्तुत: मानव सभ्यता प्राचीन काल से ही इस तथ्य की गवाह रही है कि मनुष्य ने कितने सारे अन्वेषण किए और न जाने अभी कितने अन्वेषण करने शेष है। इस बात को हम कई स्तर पर समझ सकते है।

अब बात अन्वेषण की ही चली है तो सर्वप्रथम हम मानव सभ्यता के अन्वेषण की ही करते हैं। कुछ 100-120 वर्षों पहले हम केवल मिस्र व मेसोपोटामिया की प्राचीन सभ्यताओं को ही जानते थे, परंतु जब मानव ने अन्वेषण किया तो पता चला कि इन सभ्यताओं से भी प्राचीन और विकसित एक और सभ्यता थी जिसका नाम था - 'हड़प्पा सभ्यता' या 'सिंधु घाटी सभ्यता'। अन्वेषण करने पर ही हम जान पाए कि इस सभ्यता की विशेषताएँ क्या थी - इस सभ्यता के

Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लोगों की संस्कृति, आचार-विचार, परंपराओं से परिचित हो पाए। इसके अलावा हमें यह भी पता चला कि इस सभ्यता के बारे में अभी और कितना अन्वेषण करना बाकी है। उदाहरणस्वरूप हम बात करे तो अभी भी हम इसकी भाषा को पढ़ नही पाये हैं। अत: अभी तो और खोजना बाकी है।

बात केवल सभ्यताओं की खोज पर ही थोड़ी रुकेगी। इसके बाद अगला नंबर दर्शन का आयेगा, धर्मों का आयेगा। प्राचीन भारत की बात करे तो हमारी दृष्टि जैन व बुद्ध धर्म पर जाती है। जब हम इन धर्म-दर्शन पर गौर करते है तो पाते है कि इन दर्शनों व धर्मों को देने वाले भी इन्हें तब ही दे पाए जब वे ज्ञान के अन्वेषण अर्थात ज्ञान की खोज मे निकले। बात चाहे महावीर जैन की हो या बुद्ध भगवान की, जब तक दोनों ने ज्ञान की खोज के लिए अपना महल नही छोड़ा उन्हें ज्ञान की प्राप्ति नही हुई

Copyright - Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इसके अलावा जब उन्हें ज्ञान-प्राप्ति हुई तो उन्होंने पाया कि इस विश्व में तो करने के लिए बहुत कुछ है तथा वे अनेक नए अनुभवों, अन्वेषणों तथा जन के कल्याण के लिए यात्राओं पर निकल पड़े।

धर्म दर्शन की बात यदि हम पश्चिम के बारे में करे तो हम देखते है कि पश्चिम में एक युग था जिसे अंधकार युग नाम से संबोधित किया जाता है। इस युग में ~~अन्वे~~ मनुष्य की अन्वेषण प्रवृत्ति को ईश्वर के नाम से दबाया गया किंतु ऐसा सदा के लिए संभव नहीं था।

इस युग के उपरांत पश्चिम में एक नए युग का उदय हुआ। जिसे पुनर्जागरण नाम दिया गया। इस युग की एक अनूठी विशेषता थी - मानव की अन्वेषणकारी चेतना पर बल देना। इस चेतना का ही प्रभाव था कि मनुष्य ने खोजना शुरू किया तथा प्रश्न व तर्क शुरू

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

किए। इनके फलस्वरूप ही हमें विज्ञान मिला अन्यथा मनुष्य वर्तमान में भी उस ही अंधयुग में रह रहा होता।

इसी खोजी चेतना के कारण ही लोगो ने समुद्री यात्राएँ की और पाया कि यह विश्व तो अपार संभावनाओं से भरा हुआ है।

कई खोजी यात्रियों ने विभिन्न समुद्री मार्ग खोजे। जिनसे समुद्री व्यापार को बढ़ावा मिला। व्यक्तियों को एक राष्ट्र मे बैठे-बैठे दूसरे राष्ट्र की वस्तुओं की प्राप्ति हुई।

कई सौ वर्षों तक बिना अन्वेषण किए मनुष्य यह मानता था कि 'सूर्य पृथ्वी के चक्कर लगाता है; परंतु जब मानव ने अन्वेषण किया तो पाया कि तथ्य तो इसके बिल्कुल विपरित है, अर्थात पृथ्वी सूर्य के चक्कर लगाती है। मानव की यह मान्यता थी कि इस सौरमंडल में केवल हम ही

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

परंतु जब खोज की गई तो पता चला कि यह सौरमंडल तो ब्रह्माण्ड का केवल अंश मात्र है। ब्रह्माण्ड में न जाने कितने अनगिनत सौर मंडल है तथा यह खोज आज भी जारी है और खोजो के नित-नए परिणाम हमें आज भी विस्मित कर रहे है।

सिर्फ ब्रह्माण्ड ही क्या हम खोज या अन्वेषण की पृथ्वी की सतह पर बात करे तो पाते है कि हमारे वैज्ञानिक नित्य-नई खोजो से विश्व को आश्चर्यचकित कर रहे है।

मानव ने जब सर्वप्रथम आग की खोज की तो वह उससे केवल भोजन खुद की सुरक्षा (जंगली जानवरो से) करने में प्रयोग करता था; परंतु वर्तमान में देखे तो आग की खोज से अपार संभावनाएं प्रकट हुई है।

इसके साथ ही एक मूलभूत खोज पहिये की थी जिसने पूरे संसार में क्रांति ही ला दी। आज हम विश्व में जहाँ देखे वहाँ हमें पहिये तो दिख

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ही जाएंगे - यह तथ्य हमें अन्वेषण व उसकी शक्ति को बताता है।

बात हम अर्थव्यवस्था की करे तो हम पाते है कि मानव ने आर्थिक क्षेत्र में कई अन्वेषण किए और वह अन्वेषण करता ही जा रहा है।

शुरुआती दौर में मानव ने वस्तु विनिमय प्रणाली के बारे में सोचा तथा इस व्यवस्था का विकास मानव ने अपनी अन्वेषणकारी चेतना का प्रयोग कर मुद्रा- व्यवस्था के रूप में किया। मानव के अन्वेषण यहाँ तक ही नही रुके मनुष्य ने इसके अलावा डिजिटल मुद्रा की भी शुरुआत की तो साथ ही क्रिप्टोकरेंसी की भी। भारत के स्तर पर देखे तो हमें ज्ञात होता है कि हमने भी UPI व e-Rupee के रूप में नई व्यवस्थाएं बनाई तथा हमारा अन्वेषण अभी भी जारी है।

जब हम राजनीतिक क्षेत्र की और विचार करते है तो पाते है कि मानव ने अपनी इस यात्रा की शुरुआत

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

कबीलाई व्यवस्था से की थी। जो विकसित होते हुए राजतंत्र-तानाशाही से आज सर्व जन हिताय लोकतंत्र मे बदल चुकी है। वह मानव का व्यवस्थाओं का अन्वेषण ही तो है क्या पता मानव अन्वेषण करता जाए और इससे भी बेहतर व्यवस्था को खोज ले।

इन सब विषयों के साथ क्यों न चिकित्सा के क्षेत्र की भी बात की जाए। यहाँ ध्यान से सोचने पर हम पाते है कि जब मनुष्य की सभ्यता अस्तित्व में आई है तब से वह इस क्षेत्र में नए-नए अन्वेषण करता ही जा रहा है।

प्राचीन काल के संदर्भ मे बात करे तो हम पाते है कि भारत मै चरक व सुश्रुत जैसे चिकित्सक हुए जिन्होंने आयुर्वेद जैसे ग्रंथों की रचना की। इन ग्रंथो मे विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य की बीमारियों का अन्वेषण

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

कर उन्हें दूर करने के उपाय बताए गए है। इसी के साथ जब हम आधुनिक चिकित्सा की बात करे तो पाते है कि हमारे चिकित्सा वैज्ञानिको ने न जाने कितने ही टीकों व दवाओं की खोज की है। जिनसे जाने कितने व्यक्तियों की जिंदगियाँ बची। ताजा उदाहरण ले तो COVID-टीको की बात इस तथ्य को पुष्ट करती है।

वर्तमान मे चिकित्सा प्रौद्योगिकी ने Da-Vinci जैसे अत्याधुनिक तकनीक की खोज कर ली है जिसमें एक चिकित्सक सैकड़ो किलोमीटर दूर से ही मरीज का उपचार कर सकता है। हम पाते है कि यह सब अन्वेषण से ही संभव हो पाया तथा जब हमने अन्वेषण किया तो पता चला कि अभी तो कितना और अन्वेषण किया जा सकता है।

जब मानव अन्वेषणो और खोजों की बात करता है तो उसके चित्त मै सदा ही वैज्ञानिक खोजे प्रकट होती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

विज्ञान के क्षेत्र में तो मानव ने अपार अन्वेषण किया है। वर्तमान में मानव विज्ञान की खोजों की सहायता से चाँद पर तथा उसके भी पार पहुँच गया है। इसके साथ ही आज हम समुद्रतल पर भी अन्वेषण कर रहे है और देखते है कि अभी भी खोजने को कितना कुछ शेष है।

कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी की बात करे तो मानव ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को विकसित कर लिया है। इसका सबसे अच्छा उदा० CHAT GPT है।

वस्तुत: अन्वेषण की बात से मुझे एक बात याद आती है कि :-

जब मनुष्य ने अन्वेषण शुरू किया तो उसने सर्वप्रथम सभ्यता को पाया। इसके उपरांत धर्म-दर्शन-राजव्यवस्था-अर्थव्यवस्था तथा विज्ञान को पाया और क्या पता यह इस तरह ही अन्वेषण करता रहे

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

तो एक दिन ईश्वर को भी पा लेगा। इसलिए ही किसी ने सही कहा है कि -
"तुम खोजो तो सही खोजने से तो खुदा भी मिल जाता है।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation